

**मुग्धा स्त्री.** (तत्.) काव्य. नायिका भेद के अंतर्गत परिगणित वह नायिका जिसमें यौवन विकसित हो रहा है परंतु काम भाव उत्पन्न न हुआ हो।

**मुचंगड़ वि.** (तद्.) मोटा और भद्दा।

**मुचक पुं.** (तत्.) लाख स्त्री. दे. मोच।

**मुचकुंद पुं.** (तत्.) 1. पुराणों के अनुसार मांधाता का पुत्र जिसने असुरों से युद्ध कर उन्हें पराजित करने के बाद देवताओं से बहुत अधिक समय तक सोने का वरदान प्राप्त किया था 2. सुगंधित फूलों वाला एक वृक्ष विशेष जिसके पत्ते बड़े-बड़े होते हैं।

**मुचलका पुं.** (तुर्की.) एक प्रतिज्ञा-पत्र जिसमें कोई अवैधानिक काम न करने का और तय तिथि पर न्यायालय में उपस्थित होने का वचन अभियुक्त या अपराधी द्वारा दिया जाता है, यह बंधपत्र है जिसकी शर्त न मानने वाले को आर्थिक दंड भी देना पड़ता है।

**मुचिर पुं.** (तत्.) 1. धर्म 2. वायु 3. देव वि. उदार।

**मुचुकुंद पुं.** (तत्.) दे. मुचकुंद।

**मुच्चा पुं.** (देश.) कच्चे मांस का टुकड़ा या भाग।

**मुच्छल वि.** (तद्.) 1. मूँछों वाला 2. बड़ी-बड़ी मूँछों वाला।

**मुछंदर वि.** (तद्.) 1. बड़ी-बड़ी मूँछों वाला 2. बड़ी मूँछों के कारण भद्दा दिखने वाला लाक्ष. मूर्ख, जड़मति।

**मुख स्त्री.** (तत्.) दे. मूँछ टि. 'मुख' शब्द का प्रयोग उपसर्ग रूप में 'मूँछ' के संदर्भ में प्रयुक्त होता है जैसे- मुखकटा, मुखमुंडा।

**मुख-कटा वि.** (तद्.) जिसकी मूँछें न हो या काट दी गई हो।

**मुखमुंडा वि.** (तद्.) जिसकी मूँछें न हो या मूँड़ी हुई हो।

**मुछाकड़ा वि.** (देश.) दे. मुच्छल।

**मुछाना अ.क्रि.** (तद्.) मूर्च्छित होना स.क्रि. मूर्च्छित करना।

**मुछियल वि.** (देश.) दे. मुच्छल।

**मुजक्कर वि.** (अर.) पुरुष से संबंधित, पुंलिंग, जिसमें पुरुष के गुण-विशेषताएँ हों।

**मुजतर वि.** (अर.) बेचैन, विकल।

**मुजतहिन वि.** (अर.) परिश्रमी पुं. शिया संप्रदाय का वह व्यक्ति जो धार्मिक विषयों पर अपना निर्णय देता है।

**मुजदा पुं.** (फा.) शुभ संवाद या बढ़िया खबर।

**मुजफ्फर वि.** (अर.) विजेता या विजय प्राप्त करने वाला।

**मुजमिल अव्य.** (अर.) 1. कुल मिलाकर 2. सबमें से पुं. संख्याओं का योग या जोड़।

**मुजम्मा पुं.** (अर.) चमड़े या रस्सी का वह फेरा जो घोड़े को आगे बढ़ने से रोकने के लिए उसकी दुमची में पिछाड़ी की रस्सी के साथ लगा रहता है।

**मुजरई पुं.** (अर.) दे. 'मुजराई'।

**मुजरा वि.** (अर.) 1. जो जारी या लागू किया गया है 2. वह धन जो प्राप्य होने के कारण किसी देय में से काट लिया हो पुं. 1. किसी बड़े के सामने झुककर सम्मानपूर्वक अभिवादन 2. एक गीत जो महफिल आदि में वेश्या बैठकर सबको रिझाने के लिए गाती है।

**मुजराई पुं.** (फा.) 1. वह जो राजा या बड़े धनवानों के सामने झुककर उनका अभिवादन करता हो 2. बड़े धनवानों या आदमियों या राजा को नित्य झुककर सलाम करने के बदले वेतन पाने वाला।

**मुजरिम वि.** (अर.) 1. जिसने कोई जुर्म या अपराध किया हो 2. जिस पर जुर्म या अपराध का आरोप लगा हो या अभियुक्त।

**मुजरद वि.** (अर.) 1. अकेला, एकांकी 2. कुँआरा, अविवाहित 3. संसार से विरक्त।